

## अपठित काव्यांश

---

काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

(1)

गणतंत्र हर तूफान से गुजरा हुआ है  
पर तिरंगा प्यार से फहरा हुआ है  
जिन्दगी के साथ में  
चलते ही जाना,  
हर गरीबी बेबसी में  
ढूँढ पाना;  
अपने जीने का बहाना  
जंग की कठिनाइयों से  
उबर आना  
फिर किसी परिणाम तक  
जाने का रस्ता  
एक बनाना  
दर्द में विश्वास-सा ठहरा हुआ है।  
यह तिरंगा प्यार से फहरा हुआ है।  
कितना पाया और क्या खोया  
इस गणित में कैसा जाना  
स्वर्ण-चिड़िया उड़ गयी तो  
कैसा उसका दुख मनाना  
ताल दो मिलकर  
कि कलयुग में  
नया भारत बनाना  
सिर उठाना  
गर्व से जय हिन्द गाना  
मुश्किलों की  
धूप में ईमान-सा गहरा हुआ है।  
यह तिरंगा प्यार से फहरा हुआ है।

Question 1.

'गणतंत्र हर तूफान से गुजरा हुआ है'- कथन के द्वारा किस तूफान का संकेत किया है ? (सही उत्तर का चयन कीजिए।)

- (a) चीन और पाकिस्तान के साथ किए गए युद्ध एवं अन्य आन्तरिक समस्याएँ
- (b) बाढ़ का प्रकोप
- (c) सूखा
- (d) दलों का मतभेद

▼ Answer

Answer: (a) चीन और पाकिस्तान के साथ किए गए युद्ध एवं अन्य आन्तरिक समस्याएँ  
चीन और पाकिस्तान के साथ किए गए युद्ध।

---

Question 2.

हर गरीबी और बेबसी में क्या ढूँढना है ?

- (a) घोर निराशा
- (b) खोई हुई चीजें
- (c) जीवन को बेहतर ढंग से जीने का अवसर
- (d) बेबस होकर बैठ जाना

▼ Answer

Answer: (c) जीवन को बेहतर ढंग से जीने का अवसर।

---

Question 3.

दर्द में तिरंगा किस प्रकार ठहरा हुआ है।

- (a) विश्वास कि तरह
- (b) दवाई की तरह
- (c) हवा की तरह
- (d) मुसाफिर की तरह

▼ Answer

Answer: (a) विश्वास कि तरह।

---

Question 4.

किस गणित में पढ़ना ठीक नहीं है ?

- (a) जीवन में क्या-क्या पाया है
- (b) जीवन में क्या-क्या मिला और क्या खो गया
- (c) जीवन में क्या खो गया
- (d) जीवन में क्या पाना चाहते थे

▼ Answer

Answer: (b) जीवन में क्या-क्या मिला और क्या खो गया।

---

Question 5.

'स्वर्ण-चिड़िया उड़ गयी तो कैसा उसका दुख मनाना' में स्वर्ण चिड़िया किसे कहा गया है ?

- (a) सोने की चिड़िया को
- (b) सोनचिरेया को
- (c) गौरैया को
- (d) भारत की खुशहाली को

▼ Answer

Answer: (d) भारत की खुशहाली को।

---

(2)

ऋतु वसन्त तुम आओ ना,  
वासन्ती रंग बिखराओ ना।  
उजड़ रही आमों की बगिया,  
बौर नये महकाओ ना।  
सूनी वन-उपवन की डालें,  
कोयल को बुलवाओ ना।  
नूतन गीत सुनाओ ना,  
ओ वसन्त तुम आओ ना।  
ऊँचे-ऊँचे महलों में,  
देखो जाम छलकते हैं...।  
कहीं अँधेरी झोपड़ियों में,  
दुधमुँहे रोज बिलखते हैं।  
कुटिया के बुझते दीपक को, वनकर तेल जलाओ ना...  
भूखी माँ के आँचल में तुम, दूध की धार बहाओ ना...  
प्रिय वसन्त तुम आओ ना...  
कोई धोता जूठे बर्तन,  
कोई कूड़ा बीन रहा।  
पेट की आग मिटाने को,  
रोटी कोई छीन रहा।  
काम पे जाते बच्चे के, हाथों में किताब थमाओ ना...  
घना अँधेरा छाया है, तुम ज्ञान के दीप जलाओ ना...  
ऋतु वसन्त तुम आओ ना।

Question 1.

उजड़ रही आमों की बगिया में वसन्त को क्या करने के लिए कहा है ?

- (a) गीत गाने के लिए
- (b) नए बौर महकाने के लिए और कोयल को बुलवाने के लिए
- (c) देखभाल करने के लिए
- (d) कोयल को गाने के लिए

▼ Answer

Answer: (b) नए बौर महकाने के लिए और कोयल को बुलवाने के लिए।

---

Question 2.

अंधेरी झोपड़ियों की हालत क्या है ?

- (a) वहाँ दुधमुंहे बच्चे हँस रहे हैं
- (b) वहाँ उजाला होने वाला है
- (c) वहाँ दुधमुंहे बच्चे भूख के कारण बिलख रहे हैं
- (d) अंधेरी झोपड़ियों की हालत ठीक है

▼ Answer

Answer: (c) वहाँ दुधमुंहे बच्चे भूख के कारण बिलख रहे हैं।

---

Question 3.

वसन्त से कुटिया में ..... कहा है। (वाक्य पूरा कीजिए।)

- (a) तेल बनकर बुझते दीपक को जलाने और दूध की धार बहाने के लिए
- (b) बौर खेलाने के लिए
- (c) कोयल को बुलाने के लिए
- (d) गीत गाने के लिए

▼ Answer

Answer: (a) तेल बनकर बुझते दीपक को जलाने और दूध की धार बहाने के लिए।

---

Question 4.

छोटे बच्चे मजबूरी में क्या-क्या कर रहे हैं ?

- (a) कोई धोता जूठे बर्तन
- (b) कोई कूड़ा बीन रहा है
- (c) कोई पेट की आग मिटाने को, रोटी छीन रहा है
- (d) उपर्युक्त सभी

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी।

---

Question 5.

काम पर जाते बच्चे के लिए वसन्त को क्या करने के लिए कहा है और क्यों ?

- (a) काम दिलाने के लिए
- (b) बच्चे के हाथों में किताब थमाने के लिए कहा है ताकि वह भी ज्ञान का उजाला पा सके
- (c) केवल खेलने के लिए
- (d) परिवार की सहायता करने के लिए

▼ Answer

Answer: (b) बच्चे के हाथों में किताब थमाने के लिए कहा है ताकि वह भी ज्ञान का उजाला पा सके।

---

केवल मन के चाहे से ही  
मनचाही होती नहीं किसी की।  
बिना चले कब कहाँ हुई है  
मंजिल पूरी यहाँ किसी की।।  
पर्वत की चोटी छूने को  
पर्वत पर चढ़ना पड़ता है।  
सागर से मोती लाने को  
गोता खाना ही पड़ता है।।  
उद्यम किए बिना तो चींटी  
भी अपना घर बना न पाती।  
उद्यम किए बिना न सिंह को  
भी अपना शिकार मिल पाता।।  
इच्छा पूरी होती तब, जब  
उसके साथ जुड़ा हो उद्यम।  
प्राप्त सफलता करने का है,  
'मूल मंत्र' उद्योग परिश्रम।।

Question 1.

मंजिल किस तरह पूरी होती है ? (सही उत्तर छाँटकर लिखिए।)

- (a) मन के चाहने भर से
- (b) बिना चले
- (c) चलने पर
- (d) सोचने से

▼ Answer

Answer: (c) चलने पर।

---

Question 2.

पर्वत की चोटी छूने के लिए ..... । (वाक्य पूरा कीजिए)

- (a) पर्वत पर चढ़ना नहीं पड़ता है
- (b) पर्वत पर चढ़ना पड़ता है
- (c) पर्वत की चोटी को देखना पड़ता है
- (d) पर्वत की चोटी का चित्र बनाना पड़ता है

▼ Answer

Answer: (b) पर्वत पर चढ़ना पड़ता है।

---

Question 3.

सागर से मोती लाने के लिए .....। (वाक्य पूरा कीजिए)

- (a) गोता खाना ही पड़ता है
- (b) मोती बेचने वाले की दुकान पर जाना पड़ता है
- (c) समुद्र के किनारे जाना पड़ता है
- (d) मोती ढूँढने पड़ते हैं

▼ Answer

Answer: (a) गोता खाना ही पड़ता है।

---

Question 4.

उद्यम किए बिना इनमें से क्या नहीं हो सकता ? (सही कथन छाँटिए )

- (a) चींटी अपना घर नहीं बना पाती
- (b) सिंह को अपना शिकार नहीं मिल पाता
- (c) किसी की कोई इच्छा पूरी नहीं होती
- (d) उपर्युक्त तीनों कथन सत्य हैं

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त तीनों कथन सत्य हैं।

---

Question 5.

सफलता प्राप्त करने का 'मूल मंत्र' ..... है। (उचित शब्द से रिक्त स्थान पूरा करो)

- (a) सोचना
- (b) काम करने का आदेश देना
- (c) उद्योग और परिश्रम
- (d) समय का इन्तजार करना

▼ Answer

Answer: (c) उद्योग और परिश्रम।

---

(4)

जीवन तो नाम है चिरंतन संघर्ष का  
जीवन तो नाम है आशा और हर्ष का।  
मँझधार में है डोल रही, नैया तो क्या हुआ?  
पास नहीं दिखता कोई खिवैया तो क्या हुआ?  
डर क्या यदि तूफानों ने डाल दिया है घेरा  
बाल भी बाँका कभी नहीं हो सकेगा तेरा  
आशा और साहस की, दोनों पतवारें थाम,  
मुड़ना नहीं पीछे, आगे बढ़ना तेरा काम  
लड़ तूफानों से और गीत गा उत्कर्ष का।  
इन उत्तुंग लहरों को, चरण तेरे छूना है,  
देखकर संघर्ष तेरा, जोश हुआ दूना है।  
मत हो भयभीत देखकर तू लहरों का नर्तन,  
तूफान हों छाए तो मत कर कातर क्रंदन,  
निराश न होना- वह देख सामने किनारा,  
हार गए अँधेरे, उग रहा नूतन उजियारा  
पल है यह, जीवन-अनुभव के निष्कर्ष का  
जीवन तो नाम है चिरंतन संघर्ष का

Question 1.

कविता के आधार पर बताइए कि जीवन किसे कहते हैं ?

- (a) आराम करने को
- (b) चिरंतन संघर्ष करने, मन में आशा और हर्ष को स्थान देने को
- (c) संघर्ष से दूर भागने के प्रयास को
- (d) मौज-मस्ती को

▼ Answer

Answer: (b) चिरंतन संघर्ष करने, मन में आशा और हर्ष को स्थान देने को।

---

Question 2.

'नैया का मँझधार में डोलना, पास में किसी खिवैया का नहीं दिखना'- किस स्थित की ओर संकेत करता है ?

- (a) आशा की ओर
- (b) निराशा की ओर
- (c) परिश्रम की ओर
- (d) उत्साह की ओर

▼ Answer

Answer: (b) निराशा की ओर

---

Question 3.

'कभी बाल भी बाँका नहीं होना' का क्या अर्थ

- (a) कुछ भी न बिगड़ना
- (b) चोट न आना
- (c) परिवर्तन न होना
- (d) नुकसान न होना

▼ Answer

Answer: (a) कुछ भी न बिगड़ना।

---

Question 4.

जीवन में आगे बढ़ने के लिए क्या-क्या सहायक

- (a) पीछे न मुड़ना
- (b) आशा और साहस का सहारा लेना
- (c) तूफानों से लड़ना
- (d) उपर्युक्त सभी

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी।

---

Question 5.

ऊँची-ऊँची लहरें तुम्हारा संघर्ष देखकर ..... चाहती हैं ? (वाक्य पूरा कीजिए।)

- (a) डुबाना
- (b) दूने उत्साह से चरण छूना
- (c) भयभीत करना
- (d) निराश करना

▼ Answer

Answer: (b) दूने उत्साह से चरण छूना।

---

(5)

लड़ते हुए सिपाही का गीत बनो रे  
हारना है मौत, तुम जीत बनो रे  
फूलों से खेलना सीखो, पंछी से उड़ना  
पेड़ों की छाँव बनके धरती से जुड़ना  
पर्वत से सीखो, कैसे चोटी पर चढ़ना  
गेहूँ के दानों-सी प्रीत बनो रे  
जब बैठे-बैठे आँखें भर आएँ दुख से  
फिर सोचना, दिन कैसे बीतेँगे सुख से  
दुख की लकीरें मिट जाएँगी मुख से  
सूरज-सा उगने की रीत बनो रे  
माथे पर छलके भाई! जब भी पसीना  
इक पल हवाओं के भी होठों पर जीना

Question 1.

हमेशा ..... लड़ते हुए सिपाही के गीत की विशेषता है।

- (a) हार कर बैठ जाना
- (b) जीतने कि कोशिश न करना पागास
- (c) जीत के लिए संघर्ष करना
- (d) निराशा की बात करना

▼ Answer

Answer: (c) जीत के लिए संघर्ष करना।

---

Question 2.

किससे क्या सीखें ? जहाँ सही जोड़े न हों, वहाँ सही जोड़े बनाइए।

- (a) फूलों से-खिलना सीखो
- (b) पंछी से-उड़ना सीखो
- (c) पेड़ों की छाँव बनकर-धरती से जुड़ना सीखो
- (d) चोटी से-पर्वत पर चढ़ना

▼ Answer

Answer: (d) चोटी से-पर्वत पर चढ़ना  
चोटी से-पर्वत पर चढ़ना ( सही जोड़ा होगा पर्वत से-चोटी पर चढ़ना)।

---

Question 3.

बैठे-बैठे जब आँखें दुख से भर आएँ, तब क्या करें ?

- (a) जी भरकर रोएँ
- (b) चुपचाप बैठे रहें
- (c) सुख से दिन व्यतीत करने का उपाय तलाश करना
- (d) दूसरों को दुख सुनाकर सन्तोष करना

▼ Answer

Answer: (c) सुख से दिन व्यतीत करने का उपाय तलाश करना।

---

Question 4.

सूरज-सा उगने की रीत किसे कहा है ? ( सही कथन छाँटकर लिखिए।)

- (a) उजाला करना
- (b) निराशा के अन्धकार को समाप्त करके आशा का उजाला करना
- (c) कभी-कभी उजाला करना
- (d) सबको जगा देना

▼ Answer

Answer: (b) निराशा के अन्धकार को समाप्त करके आशा का उजाला करना।

---

Question 5.

माथे पर छलका पसीना किस गुण को सूचित करता है?

- (a) निरन्तर परिश्रम करना
- (b) आराम करना
- (c) बुरी तरह थक जाना
- (d) कमजोरी महसूस करना

▼ Answer

Answer: (a) निरन्तर परिश्रम करना।

---

(6)

जीवन की मुस्कान किताबें  
बहुत बड़ा वरदान किताबें।  
गूंगे का मुँह बनकर बोलें  
बहरे के हैं कान किताबें।  
अन्धे की आँखें बन जाएँ  
ऐसी हैं दिनमान किताबें।  
हीरे मोती से भी बढ़कर  
बेशकीमती खान किताबें।  
जिन के आने से मन हरषे

ऐसी हैं मेहमान किताबें।  
क्या बुरा यहाँ क्या है अच्छा  
करती हैं पहचान किताबें।  
धार प्रेम की बहती इनमें  
फैलाती हैं ज्ञान किताबें।  
राहों की हर मुश्किल को  
कर देती आसान किताबें।  
कभी नहीं ये बूढ़ी होती  
रहती सदा जवान किताबें।

Question 1.

इनमें से किताबें क्या नहीं हैं ? जो कथन सही न हो उसे छाँटकर लिखिए-

- (a) जीवन की मुस्कान
- (b) अपंग की विरोधी
- (c) बहरे के कान
- (d) अन्धे की आँखें

▼ Answer

Answer: (b) अपंग की विरोधी।

---

Question 2.

किताबें हीरे मोती से भी बढ़कर ..... हैं। (सही शब्द से वाक्य पूरा कीजिए)

- (a) सस्ती
- (b) हानिकारक
- (c) व्यर्थ
- (d) बेशकीमती

▼ Answer

Answer: (d) बेशकीमती  
बेशकीमती खान।

---

Question 3.

किताबें किसकी पहचान करती हैं ?

- (a) सब की
- (b) चोर की
- (c) अच्छे और बुरे की
- (d) केवल शत्रुओं की

▼ Answer

Answer: (c) अच्छे और बुरे की।

---

Question 4.

राहों की हर मुश्किल को किताबें कैसे आसान कर देती हैं ?

- (a) मुश्किलों को दूर करने का व्यावहारिक उपाय बताकर
- (b) खुद काम करके
- (c) खुद साथ चलकर
- (d) उपदेश देकर

▼ Answer

Answer: (a) मुश्किलों को दूर करने का व्यावहारिक उपाय बताकर।

---

Question 5.

किताबें सदा जवान कैसे रहती हैं ?

- (a) कभी पुरानी नहीं होने के कारण
- (b) दी गई जानकारी हर पीढ़ी के लिए सदा नई होने के कारण
- (c) ठीक रखरखाव करके
- (d) अलमारी में बन्द होने के कारण

▼ Answer

Answer: (b) दी गई जानकारी हर पीढ़ी के लिए सदा नई होने के कारण।

---

(7)

वतन से दूर हूँ लेकिन  
अभी धड़कन वहीं बसती  
वह जो तस्वीर है मन में  
निगाहों से नहीं हटती।  
साँसों में बसी है अब तक  
वह सौंधी गंध धरती की  
मैं जन्मूँ सिर्फ भारत में  
दुआ रब से यही करती।  
बड़े ही वीर थे वे जन  
जिन्होंने झूल फाँसी पर  
दिला दी हमको आजादी।  
नमन शत-शत उन्हें करती।

Question 1.

वतन से दूर होने पर भी मन की स्थिति क्या है ?

- (a) मन की स्थिति सामान्य है
- (b) हृदय की धड़कन उसी देश में बसती है
- (c) मन बहुत खुश है
- (d) मन देश को भूल चुका है

▼ Answer

Answer: (b) हृदय की धड़कन उसी देश में बसती है।

---

Question 2.

निगाहों से किसकी तस्वीर नहीं हट पाती ?

- (a) परिवार की
- (b) मन में देश के बसे सौन्दर्य की
- (c) शहर की
- (d) घर की

▼ Answer

Answer: (b) मन में देश के बसे सौन्दर्य की।

---

Question 3.

साँसों में अब तक धरती की ..... बसी है। (वाक्य पूरा कीजिए)

- (a) सौंधी गन्ध
- (b) छवि
- (c) नदियाँ
- (d) छाया

▼ Answer

Answer: (a) सौंधी गन्ध।

---

Question 4.

इस कविता में ईश्वर से क्या इच्छा प्रकट की गई

- (a) कहीं भी जन्म लेने की
- (b) कुछ भी नहीं
- (c) सिर्फ भारत में जन्म लेने की
- (d) विदेश में बस जाने की

▼ Answer

Answer: (c) सिर्फ भारत में जन्म लेने की।

---

Question 5.

हमको आजादी दिलाने में ..... लोगों का योगदान है। (सही कथन से वाक्य पूरा कीजिए।)

- (a) जिन्होंने केवल आन्दोलन किया
- (b) जो खुशी-खुशी फाँसी पर झूल गए
- (c) जिन्होंने अनशन किया
- (d) जिन्होंने समर्थन किया

▼ Answer

Answer: (b) जो खुशी-खुशी फाँसी पर झूल गए।

---